Glimpses of Inaugural Function

ICAR Sponsored Winter School
on
Agrientrepreneurship Development in Seed Sector
February 18 - March 10, 2025
Organized by

1st Row Sitting (L-R): Dr. S.K. Singh (HOD, GPB), Dr. B.P. Dhyani (Dean, PGS), Dr Vivek (Dean, Ag), Dr Ramji Singh (Registrar), Dr. K.K. Singh (Vice Chancellor), Dr P.K. Singh (Director Extension), Dr Kamal Khilari (Director Research), Dr. L.K. Gangwar (Course Director), Dr Pooran Chand.
2nd Row Standing (L-R): Mr. Suresh Chand, Dr. Hariom Katiyar, Dr. P. K. Singh, Dr. Sanjeev Kumar Yadav, Dr. Girish Bhagwan Chaudhary, Dr. Radhey Shyam Singh, Dr. Ramesh Shankar Bhadane, Dr. Arvind Kumar, Dr Ankit Kumar, Mr. Avinash Chauhan, Dr. Anuj Bansal, Dr. Ashok Kumar, Dr. Sunil Prajapati, Dr. Amit Tomar, Dr. Reena, and Mrs. Divya HV.
3rd Row Standing (L-R): Dr. Arvind Kumar, Dr. Bapurayagouda B. Patil, Dr. Vivek Yadav, Er. Sunil Kumar, Dr. Pavitra Dev, Er. Kapil, Mr. Lalit Kumar, Dr. Sudhir Kumar Dhama, Dr Ravi Kant, and Dr Pratima Gupta.

ICAR Sponsored Winter School
on
Agripreneurship Development in Seed Sector
February 18 - March 10, 2025

Glimpses of Valedictory Function

Guests and Participants during One Day Workshop on IPR held at SVPUAT, Meerut on dated 07.12.2025

ICAR Sponsored Winter School
on
reneurship Development in Seed Sector
February 18 - March 10, 2025

ICAR Sponsored Winter School
on
Agrientrepreneurship Development in Seed Sector
February 18 - March 10, 2025

ICAR Sponsored Winter School
on
February 18 - March
Organized by

ICAR Sponsored Winter School
Agrientrepreneurship Development in Seed Sector
February 18 - March 10, 2025
Organized by

ICAR Sponsored Winter School
on
Agrientrepreneurship Development in Seed Sector
February 18 - March 10, 2025
Organized by:

Coverage of Inagural Function of Winter School in Print Media on dated 19.02.2025

मेरठ | बुधवार • 19.02.2025

अमर उजाला 05

बेहतर बीज से ज्यादा उत्पादन की तकनीकों पर किया मंथन

कृषि विश्वविद्यालय में अपने विचार व्यक्त करते कुलपति। संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

मोदीपुरम। सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में मंगलवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के तत्वावधान में वित्त पोषित 21 दिवसीय विंटर स्कूल प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। इसमें बीज क्षेत्र में कृषि उद्यमिता विकास प्रशिक्षण के साथ गहन मंथन किया जाएगा। वैज्ञानिकों ने बेहतर बीज से ज्यादा उत्पादन की नवीनतम तकनीकों पर गहन मंथन किया।

कुलपति डॉ. केके सिंह ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि कर्नाटक, राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों से 24 वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया। डॉ. विवेक ने अतिथियों का स्वागत किया।

कुलपति ने वैज्ञानिकों से संस्थानों में जाकर किसानों के हित में कार्य करने की अपेक्षा की। तकनीकी सत्र में डॉ. एलके गंगवार ने बीज क्षेत्र में उद्यमिता विकास की संभावनाएं एवं चुनौतियां, डॉ. राहुल देव पांडेय ने उद्यमिता के अवसर, डॉ. एसके सिंह ने विश्वविद्यालय के बीज विधायन संयंत्र, डॉ. एसके लोधी ने बासमती धान के गुणवत्तायुक्त बीज विधायन एवं नमूना एकत्रीकरण के विषय पर व्याख्यान दिए। कुलसचिव डॉ. रामजी सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

किसानों तक पहुंचाएं बीज की तकनीकी जानकारी

जागरण संवाददाता, मोदीपुरम : कृषि विश्वविद्यालय में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की ओर से कृषि उद्यमिता विकास पर कार्यशाला हुई। कुलपति डा. केके सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण में कर्नाटक, राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश के 24 कृषि विज्ञानी शामिल हुए।

प्रो. एलके गंगवार ने कहा कि देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञों का लाभ प्रतिभागियों को देने के उद्देश्य से उनके भाषण कराए जाएंगे। कुलपति ने कहा कि बीज क्षेत्र में उद्यमिता के विषय में प्राप्त नवीनतम तकनीक को किसानों तक जरूर पहुंचाएं। डा. राहुल देव पांडे ने सीड इंडस्ट्री में उद्यमिता के अवसर, डा. एसके सिंह ने विश्वविद्यालय के बीज विधायन संयंत्र, डा. एसके लोधी ने बासमती धान के गुणवत्ता युक्त बीज विधायन एवं नमूना एकत्रीकरण के विषय पर संबोधित किया।

कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति डा. केके सिंह व मंचासीन अतिथि● सौ. विश्वविद्यालय

Deshbandhu Nati...
PDF reader

कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में विंटर स्कूल आज से प्रारंभ

मेरठ,17 फरवरी (देशबन्धु)। सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आज यानि 18 फरवरी से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा स्पॉन्सर्ड 21 दिवसीय एग्री एंटरप्रेन्योरशिप इन सीड सेक्टर नामक विषय पर 21 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। इस का उद्घाटन कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के के सिंह द्वारा सुबह 10: 30 बजे किया जाएगा। इस कार्यक्रम के निदेशक प्रोफेसर लोकेश गंगवार ने बताया इस प्रशिक्षण में 10 प्रदेशों से आ रहे 25 शिक्षक भाग ले रहे हैं यहां पर सी उत्पादन से लेकर उसको प्रोसेसिंग और मार्केटिंग तक की जानकारी विभिन्न विज्ञानों द्वारा तथा प्रयोगात्मक कार्य के द्वारा दी जाएगी। डॉ. लोकेश गंगवार ने बताया कि इस तरह के आयोजन से बीज उत्पादन के क्षेत्र में में एक नई क्रांति आएगी। जिससे लोग बीज उत्पादन और उसके संवर्धन के लिए कार्य कर सकेंगे।

आयोजकों का कुलपति ने बढ़ाया उत्साह बोले-इस तरह के आयोजन जरूरी

● जनवाणी संवाददाता, मोदीपुरम

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में मंगलवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के तत्वावधान में वित्त पोषित 21 दिवसीय विंटर स्कूल बीज क्षेत्र में कृषि उद्यमिता विकास विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कुलपति डॉ. केके सिंह ने शुभारंभ किया। बताया कि विभिन्न राज्यों कर्नाटक, राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश के 24 वैज्ञानिकों ने इसमें प्रतिभाग किया। डॉ. विवेक ने मुख्य अतिथि कुलपति, अन्य अतिथियों, विभिन्न राज्यों से आए 24 प्रतिभागियों का स्वागत किया। प्रो. एलके गंगवार ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विषय से संबंधित देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञों का लाभ प्रतिभागियों को देने के उद्देश्य से उनकी विशेषज्ञता पर भाषण कराए जाएंगे, साथ ही प्रयोगात्मक जानकारी उपलब्ध कराने के साथ विभिन्न संस्थानों का भ्रमण कराया जाएगा। कुलपति ने कहा कि इस तरह का कार्यक्रम होते रहना चाहिए। उन्होंने आयोजक समिति को ऐसा कार्यक्रम विश्वविद्यालय में करने के लिए प्रोत्साहित किया। कुलपति ने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण के दौरान बीज क्षेत्र में उद्यमिता के विषय में प्राप्त नवीनतम तकनीकी जानकारी से अपने संस्थानों में जाकर किसानों के हित में कार्य करने की अपेक्षा की। तकनीकी सत्र में चार व्याख्यान डॉ. एलके गंगवार द्वारा बीज क्षेत्र में उद्यमिता विकास की संभावनाएं एवं चुनौतियां, डॉ. राहुल देव पांडेय ने सीड इंडस्ट्री में उद्यमिता के अवसर, डॉ. एसके सिंह ने विश्वविद्यालय के बीज विधायन संयंत्र, डॉ. एसके लोधी ने बासमती धान के गुणवत्तायुक्त बीज विधायन एवं नमूना एकत्रीकरण के विषय पर जानकारी दी। कुलसचिव डॉ. रामजी सिंह ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शिवानी साहू ने किया।

Deshbandhu National 19.02.25

PDF reader

आयोजन *एग्री एंटरप्रेन्योरशिप इन सीट सेक्टर पर 21 दिवसीय प्रशिक्षण की शुरुआत*

प्रतिभागियों के लिए विशेषज्ञों की टीम की रहेगी उपस्थिति

- **सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विवि में लगाया जा रहा शिविर**
- **कुलपति द्वारा किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ**
- **किसानों के हित में कार्य करने के लिए किया प्रेरित**

मेरठ, 18 फरवरी (देशबन्धु)। मंगलवार को आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग कृषि महाविद्यालय, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ के सभागार में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा एग्री एंटरप्रेन्योरशिप इन सीट सेक्टर नामक विषय पर 21 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। जिसका उद्घाटन कुलपति की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें विभिन्न राज्यों जैसे कर्नाटक, राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र एवं उत्तर प्रदेश के 24 वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया।

प्रशिक्षण शिविर 18 फरवरी से शुरू होकर 10 मार्च तक आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का प्रारम्भ कुलपति डा. के.के. सिंह, कुलसचिव, डा. रामजी सिंह, अधिष्ठाता कृषि, डा. विवेक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के निदेशक डा. एलके गंगवार द्वारा द्वीप प्रज्वलन कर किया गया। डा. विवेक, अधिष्ठाता कृषि द्वारा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति एवं अन्य अतिथियों तथा विभिन्न राज्यों से आए 24 प्रतिभागियों का स्वागत किया। प्रोफेसर एल.के. गंगवार द्वारा प्रषिक्षण कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि विषय से सम्बन्धित देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञों का लाभ प्रतिभागियों को देने के उद्देश्य से उनकी विशेषज्ञता पर भाषण कराए जाएगे तथा प्रयोगात्मक जानकारी उपलब्ध कराने के साथ साथ विभिन्न संस्थानों का भ्रमण कराया जाएगा। कुलपति द्वारा आयोजक समिति को ऐसा कार्यक्रम विश्वविद्यालय में करने हेतु प्रोत्साहित किया। साथ ही उन्होंने अपेक्षा की कि प्रतिभागियों को प्रशिक्षण विषय से सम्बन्धित नवीनतम जानकारी उपलब्ध कराई जाए।

कुलपति ने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण के दौरान बीज क्षेत्र में उद्यमिता के विषय में प्राप्त नवीनतम तकनीकी जानकारी से अपने संस्थानों में जाकर किसानों के हित में कार्य करने की भी अपेक्षा की। कार्यक्रम का संचालन डा. शिवानी साहू, सहायक प्राध्यापक द्वारा किया गया। तकनीकी सत्र में कुल 4 लेक्चर क्रमशः डा. एल.के.गंगवार द्वारा बीज क्षेत्र में उद्यमिता विकास की संभावनाएं एवं चुनौतियां, डा. राहुल देव पाण्डेय, निदेशक, कृषि प्रबंधन संस्थान, द्वारा सीड इंडस्ट्री में उद्यमिता के अवसर, डा. एसके सिंह, विवि के बीज विधायन संयंत्र एवं डा. एस.के.लोधी द्वारा बासमती धान के गुणवत्तायुक्त बीज विधायन एवं नमूना एकत्रीकरण के सम्बन्ध में जानकारी उपलब्ध कराई।

कृषि उद्यमिता विकास पर प्रशिक्षण का आयोजन

मोदीपुरम। सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में मंगलवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के तत्वावधान में वित्त पोषित 21 दिवसीय विंटर स्कूल बीज क्षेत्र में कृषि उद्यमिता विकास विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कुलपति डॉ. केके सिंह ने शुभारंभ किया। बताया कि विभिन्न राज्यों कर्नाटक, राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश के 24 वैज्ञानिकों ने इसमें प्रतिभाग किया। डॉ. विवेक ने के मुख्य अतिथि कुलपति, अन्य अतिथियों, विभिन्न राज्यों से आए 24 प्रतिभागियों का स्वागत किया। प्रो. एलके गंगवार ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विषय से संबंधित देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञों का लाभ प्रतिभागियों को देने के उद्देश्य से उनकी विशेषज्ञता पर भाषण कराए जाएंगे, साथ ही प्रयोगात्मक जानकारी उपलब्ध कराने के साथ विभिन्न संस्थानों का भ्रमण कराया जाएगा। कुलपति ने कहा कि इस तरह का कार्यक्रम होते रहना चाहिए। तकनीकी सत्र में चार व्याख्यान डॉ. एलके गंगवार द्वारा बीज क्षेत्र में उद्यमिता विकास की संभावनाएं एवं चुनौतियां, डॉ. राहुल देव पाण्डेय ने सीड इंडस्ट्री में उद्यमिता के अवसर, डॉ. एसके सिंह ने विश्वविद्यालय के बीज विधायन संयंत्र, डॉ. एसके लोधी ने बासमती धान के गुणवत्तायुक्त बीज विधायन एवं नमूना एकत्रीकरण के विषय पर जानकारी दी। कुलसचिव डॉ. रामजी सिंह ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शिवानी साहू ने किया।

Coverage of Valudataory Function of Winter School in Print Media on dated 19.02.2025

21 दिवसीय प्रशिक्षण का समापन हुआ

कृषि विवि में विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र देते अतिथि। स्रोत : स्वयं

मोदीपुरम। कृषि विवि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वित्त पोषित 21 दिवसीय विंटर स्कूल बीज क्षेत्र में कृषि उद्यमिता विकास का सोमवार को समापन किया गया। अध्यक्षता कुलसचिव डॉ. रामजी सिंह ने की। डॉ. रामजी सिंह, डॉ. विवेक, डॉ. बीपी ध्यानी, डॉ. कमल खिलाड़ी, डॉ. एलके गंगवार ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। डॉ. एलके गंगवार ने 21 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षणार्थी डॉ. बी पाटिल, डॉ. रमेश शंकर प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। इस दौरान डॉ. आरएस सेंगर, डॉ. पंकज कुमार, डॉ. यूपी शाही, डॉ. पूरन चंद्र, डॉ. एसके सिंह आदि रहे। संवाद

कृषि के क्षेत्र में नए-नए आयामों को तलाशें: रामजी

● जनवाणी संवाददाता, मोदीपुरम

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के वित्त पोषित 21 दिवसीय विन्टर स्कूल बीज क्षेत्र में कृषि उद्यमिता विकास का सोमवार को समापन किया गया। सत्र की अध्यक्षता कुलसचिव डॉ. रामजी सिंह ने की।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में सात विभिन्न राज्यों कर्नाटक, राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश के 23 वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया। डॉ. रामजी सिंह, डॉ. विवेक, डॉ. बीपी ध्यानी, डॉ. कमल खिलाड़ी, डॉ. एलके गंगवार ने दीप जलाया। डॉ. एलके गंगवार ने 21 दिससीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी। उन्होनें बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय व राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों ने बीज क्षेत्र में कृषि उद्यमिता विकास से संबंधित विभिन्न उपयोगी विषयों पर 63 व्याख्यान आयोजित किए। प्रशिक्षणार्थियों डॉ. बी पाटिल, डॉ. रमेश शंकर प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि सभी व्याख्यान, प्रयोगात्मक प्रशिक्षण उच्च स्तर के थे, जिनसे उन्हें नई जानकारी प्राप्त हुई, साथ ही प्रशिक्षण में नए विषयों आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस, नैनो-बायोटेक्नोलॉजी, प्रिसीजन फीनोटाईपिंग आदि पर भी व्याख्यान कराए गए। प्रशिक्षण में विभिन्न विषयों पर दिए गए व्याख्यानों की संकलित पुस्तिका का विमोचन किया गया। प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। डॉ. रामजी सिंह ने कहा कि गुणवत्तयुक्त बीज उत्पादन करके अच्छे बीज की उपलब्धता व अतिरिक्त आर्थिक लाभ अर्जित किया जा सकता है। इस दौरान डॉ. आरएस सेंगर, डॉ. पंकज कुमार, डॉ. यूपी शाही, डॉ. पूरन चन्द्र, डॉ. एसके सिंह, डॉ. एसके लोधी, डॉ. मुकेश कुमार, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. हरिओम कटियार आदि रहे।

गुणवत्तापरक बीज उत्पादन किसानों के हित में : डॉ. रामजी सिंह

मेरठ (एसएनबी)। मोदीपुरम स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय परिसर स्थित आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वित्त पोषित 21 दिवसीय 'विन्टर स्कूल बीज क्षेत्र में कृषि उद्यमिता विकास' विषयक कार्यशाला संपन्न हो गयी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. रामजी सिंह ने समापन सत्र में कहा कि किसानों के आर्थिक हित में गुणवत्तापरक बीज उत्पादन महत्वपूर्ण है। किसानों को गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन कर उन्हें बेहतर बीज की उपलब्धता से अतिरिक्त आर्थिक लाभ अर्जित हो सकेगा। बीज व्यवसाय से आत्मनिर्भरता व अन्य को भी रोजगार उपलब्ध कराना संभव है। साथ ही उन्होने प्रतिभागियों से अपेक्षा की कि वह इस कार्यशाला के अपने अनुभव एवं नवीनतम जानकारी को अपने संस्थानों में जाकर उपयोग करेगें। बीज क्षेत्र में उद्यमिता विकास के कार्यक्रम करेंगे।

मेरठ : सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में चल रही 'विन्टर स्कूल बीज क्षेत्र में कृषि उद्यमिता विकास' विषयक कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते कुलसचिव डा. रामजी सिंह।

'विन्टर स्कूल बीज क्षेत्र में कृषि उद्यमिता विकास' विषयक कार्यशाला संपन्न

कोर्स डायरेक्टर डा. एलके गंगवार ने कहा इस कार्यशाला में कर्नाटक, राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश के 23 वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया। इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय व राष्ट्रस्तरीय संस्थानों के अनुभवी विशेषज्ञों द्वारा बीज क्षेत्र में कृषि उद्यमिता विकास से सम्बन्धित विभिन्न उपयोगी विषयों पर 63 व्याख्यान कराये गए। साथ ही प्रयोगात्मक प्रशिक्षण, प्रक्षेत्र भ्रमण व एक्सपोजर विजिट भी कराये गये। प्रशिक्षणार्थियों को उपयोगी एवं सम्बन्धित विषयों की नवीनतम जानकारी उपलब्ध करायी गयी। प्रशिक्षणार्थियों डा. बी पाटिल (सहायक प्राध्यापक कृषि विश्वविद्यालय बागलकोट, कर्नाटक) एवं डा. रमेश शंकर भड़ाने (सहायक प्राध्यापक मराठवाड़ा कृषि विश्वविद्यालय राहौरी, महाराष्ट्र) ने विचार व्यक्त किये। प्रशिक्षण में विभिन्न विषयों पर दिये गये व्याख्यानों की संकलित पुस्तिका का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। सभी 23 प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किये गये। अधिष्ठाता कृषि डा. विवेक ने समापन सत्र में पधारे सभी आगन्तुकों का स्वागत किया। अधिष्ठाता स्नातकोत्तर संकाय डा. बीपी ध्यानी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

मंच संचालन डा. शिवानी साहू ने किया। इस अवसर पर डा. आरएस सैंगर, डा. पंकज कुमार, डा. यूपी शाही, डा. पूरन चन्द्र, डा. एसके सिंह, डा. एसके लोधी, डा. मुकेश कुमार, डा. आलोक कुमार, डा. हरिओम कटियार उपस्थित रहे।

बीज क्षेत्र में कृषि उद्यमिता विकास कार्यक्रम का समापन **Publish Date : 10/03/2025**

Share on Whats App |

बीज क्षेत्र में कृषि उद्यमिता विकास कार्यक्रम का समापन

आज दिनांक 10.03.2025 को आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग, कृषि महाविद्यालय, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ के सभागार में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वित्त पोषित 21 दिवसीय विन्टर स्कूल "बीज क्षेत्र में कृषि उद्यमिता विकास" जो दिनांक 18 फरवरी से 10 मार्च, 2025 तक सफलापूर्वक आयोजित किया गया, जिसके दिनांक 10.03.2025 को हुए समापन सत्र की अध्यक्षता डा0 रामजी सिंह, कुलसचिव द्वारा की गयी।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 07 विभिन्न राज्यों जैसे कर्नाटक, राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र, उत्तराखण्ड़ एवं उत्तर प्रदेश के 23 वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया एवं सफलातापूर्वक प्रशिक्षण कार्यक्रम पूर्ण किया। कार्यक्रम का प्रारम्भ मुख्य अतिथि डा0 रामजी सिंह, कुलसचिव, डा0 विवेक, अधिष्ठाता, कृषि, डा0 बी0 पी0 ध्यानी, अधिष्ठाता स्नातकोत्तर संकाय, डा0 कमल खिलाड़ी, निदेशक शोध एवं डा0 एल0 के0 गंगवार, कोर्स डायरेक्टर द्वारा दीप प्रजलन एवं मार्ल्यापण किया गया। तत्पश्चात् डा0 विवेक, अधिष्ठाता, कृषि द्वारा समापन सत्र में पधारे सभी आगन्तुकों का स्वागत किया किया। तदोपरान्त डा0 एल0 के0 गंगवार, कोर्स डायरेक्टर द्वारा 21 दिससीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी प्रस्तुत की गई, जिसमें उन्होनें बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय व राष्ट्रीय स्तर ख्याती के प्रसिद्व संस्थानों के अनुभवी विशेषज्ञों द्वारा "बीज क्षेत्र में कृषि उद्यमिता विकास" से सम्बन्धित विभिन्न उपयोगी विषयों पर कुल 63 व्याख्यान आयोजित कराये गये साथ ही प्रयोगात्मक प्रशिक्षण, प्रक्षेत्र भ्रमण व एक्सपोजर विजिट भी कराये गये। जिनके द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को उपयोगी एवं सम्बन्धित विषयों की नवीनतम जानकारी उपलब्ध करायी गयी।

इसके उपरान्त 02 प्रशिक्षणार्थियों क्रमशः डा0 बी0 पाटिल, सहायक प्राध्यापक, कृषि विश्वविद्यालय, बागलकोट, कर्नाटक एवं डा0 रमेश शंकर भड़ाने, सहायक प्राध्यापक, मराठवाड़ा, कृषि विश्वविद्यालय, राहौरी, महाराष्ट्र द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में अपने-अपने विचार व्यक्त किये गए। जिसमें उन्होनें बताया कि सभी व्याख्यान, प्रयोगात्मक प्रशिक्षण उच्च स्तर के थे, जिनसे उन्हें नयी जानकारी प्राप्त हुई साथ ही प्रशिक्षण में नये विषयों जैसे कि आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस, नैनो-बायोटेक्नोलॉजी, प्रिसीजन फीनोटाईपिंग आदि पर भी व्याख्यान कराये गये। जो उनके लिए बहुत ही उपयोगी होगे। डा0 एल0 के0 गंगवार द्वारा प्रशिक्षण के सफल आयोजन हेतु मा0 कुलपति जी डा0 के0 के0 सिंह, के सतत् मार्ग दर्शन एवं सभी आवश्यक सहयोग प्रदान करने लिए आभार व्यक्त किया गया। उन्होनें कुलसचिव, अधिष्ठाता, कृषि, वित्त नियत्रंक एवं अन्य अधिकारियों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया गया। डा0 गंगवार ने इस प्रशिक्षण के सफल आयोजन में आयोजक समिति का उनके भरपूर सहयोग के लिए धन्यवाद किया।

प्रशिक्षण में विभिन्न विषयों पर दिये गये व्याख्यानों की संकलित पुस्तिका "Agrientrepreneurship development in seed sector" शीर्षक पर तैयार की गयी जिसका विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया।

तत्पश्चात् सभी 23 प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि व अन्य अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किये गये। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा0 रामजी सिंह, कुलसचिव द्वारा अपने सम्बोधन में समस्त प्रतिभागियों से अपेक्षा की, कि वह प्रशिक्षण में लिए गये अनुभव एवं नवीनतम जानकारी को अपने संस्थानों में जाकर उपयोग करेगें एवं बीज क्षेत्र में उद्यमिता विकास हेतु कार्यक्रम आयोजित करेगें, जिससे कि किसानों को गुणवत्तयुक्त बीज उत्पादन करके अच्छे बीज की उपलब्धता व अतिरिक्त आर्थिक लाभ अर्जित हो सकेगा। साथ ही बीज व्यवसाय से आत्मनिर्भरता व अन्य को भी रोजगार उपलब्ध करा सकेगें।

कार्यक्रम के अन्त में डा0 बी0 पी0 ध्यानी, अधिष्ठाता, स्नातकोत्तर संकाय द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डा0 शिवानी साहू, द्वारा किया गया एवं कार्यक्रम में डा0 आर0 एस0 सेंगर, डा0 पंकज कुमार, डा0 यू0पी0 शाही, डा0 पूरन चन्द्र, डा0 एस0के0 सिंह, डा0 एस0 के0 लोधी, डा0 मुकेश कुमार, डा0 अशोक कुमार, डा0 हरिओम कटियार आदि कृषि वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

गुणवत्ता युक्त बीज का इस्तेमाल करने के गुर सिखाए

ग्रीन इंडिया

मेरठ। सोमवार को आनुवंशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग, कृषि महाविद्यालय, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वित्त पोषित 21 दिवसीय विन्टर स्कूल बीज क्षेत्र में कृषि उद्यमिता विकास के समापन सत्र की अध्यक्षता डा.रामजी सिंह, कुलसचिव ने की।

कार्यक्रम में सात राज्यों उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र, उत्तराखण्ड़ और के 23 वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया। शुभारंभ मुख्य अतिथि डा.रामजी सिंह, डा.विवेक, अधिष्ठाता, कृषि, डा.बीपी ध्यानी, डा.कमल खिलाड़ी, डा.एलके गंगवार ने किया। डा.विवेक, ने सभी आगन्तुकों का स्वागत किया किया। डा.एलके गंगवार ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में विवि व राष्ट्रीय स्तर ख्याती के संस्थानों के विशेषज्ञों ने बीज क्षेत्र में कृषि उद्यमिता विकास से सम्बन्धित विभिन्न उपयोगी विषयों पर 63 व्याख्यान आयोजित कराये गये। प्रयोगात्मक प्रशिक्षण, प्रक्षेत्र भ्रमण व एक्सपोजर विजिट भी कराये गये। प्रशिक्षणार्थियों को उपयोगी एवं सम्बन्धित विषयों की नवीनतम जानकारी उपलब्ध करायी गयी। 02 प्रशिक्षणार्थियों डा.बी0 पाटिल, एवं डा.रमेश शंकर भड़ाने, ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में अपने-अपने विचार व्यक्त किये। उन्होनें बताया कि सभी व्याख्यान, प्रयोगात्मक प्रशिक्षण उच्च स्तर के थे, जिनसे उन्हें नयी जानकारी प्राप्त हुई साथ ही प्रशिक्षण में नये विषयों जैसे कि आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस, नैनो-बायोटेक्नोलॉजी, प्रिसीजन फीनोटाईपिंग आदि पर भी व्याख्यान कराये गये।

डा.गंगवार ने कुलपति डा.केके सिंह के सतत मार्ग दर्शन एवं सभी आवश्यक सहयोग प्रदान करने लिए आभार व्यक्त किया गया उन्होनें कुलसचिव, अधिष्ठाता, कृषि, वित्त नियत्रंक एवं अन्य अधिकारियों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया गया। डा0 गंगवार ने इस प्रशिक्षण के सफल आयोजन में आयोजक समिति का उनके भरपुर सहयोग के लिए धन्यवाद किया। 23 प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि व अन्य अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किये गये। मुख्य अतिथि डा.रामजी सिंह ने प्रतिभागियों से अपेक्षा की कि वह प्रशिक्षण में लिए गये अनुभव एवं नवीनतम जानकारी संस्थानों में जाकर उपयोग करेगें एवं बीज क्षेत्र में उद्यमिता विकास हेतु कार्यक्रम आयोजित करेगें जिससे किसान गुणवत्तयुक्त बीज उत्पादन कर सकें।